है कि दिल्ली में यमुना पार की बस्तियों में रहने वाले कुछ व्यक्तियों को यमुना पुल पार करने में अत्यधिक यातायात के समयों में कठिनाई का अनुभव होता है।

(ग) यमुना नदी पर बजीराबाद बांध के ऊपर का पुल और पुराने किले के पीछे का रेल-पुल, पैदल पथों सहित, तैयार हो गये हैं। यमुना के ऊपर का एक पुल हुमायूं मकबरे के निकट और दूसरा 'मीं पावर स्टेशन के पास निर्माणाधीन है। सूखे मौसम में दिल्ली नगर निगम द्वारा एक नावों के पुल की व्यवस्था भी की जाती है।

दिल्ली में यमुना नदी पर नाव का अस्थायी पुल

5970. श्री रामगोपाल शालवाले क्या परिवहन तथा नौवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में यमुना नदी पर प्रत्येक वर्ष नाव का अस्थायी पुल बनाया जाता है जो वर्षा ऋतु में गिरा दिया जाता है;

(ख) यदि हां, तो इस पुल को प्रति-वर्ष बनाने और गिराने पर कितना धन व्यय होता है, और

(ग) क्या यह भी सच है कि इस अस्थायी पुल को बनाने और गिराने पर अब तक कुल जितना धन व्यय किया गया है उस से थोड़ा और अधिक धन व्यय करके पक्का और स्थाई पुल बनाया जा सकता था?

परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) जी हां।

(ख) नाव के पुल को बनाने और उठाने में दिल्ली की नगर पालिका निगम प्रति वर्ष लगभग 63 000 रुपये व्यय करती है।

(ग) जी नहीं।

Effect of Monsoon on Food Production

5971. **Shri Kanwar Lal Gupta:**
Shri S. S. Kothari:
Shri S. K. Tapuriah:
Shri D. N. Patodia:
Shri P. N. Solanki:
Shri K. M. Koushik:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Vasudevan Nair:
Shri J. Sundar Lal:

Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Monsoon has come in time in most of the parts of the country; and

(b) if so, the extent it will effect the food production of the country?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) and (b). The actual onset of the Monsoon was delayed by a week or so in some parts of the country But, by and large, the Monsoon rains this year have been quite good so far in most parts of the country. Some areas notably Bihar and parts of East Uttar Pradesh where the Monsoon activity was rather weak upto the end of June have also received some rainfall during the early part of July. The widespread monsoon rains are expected to help extensive sowings of kharif crops It is however, too early at this stage to frame even a tentative estimate about the extent of kharif sowings The overall production of foodgrains would depend to a large extent on the behaviour of rains during the next 2-3 months as also on the weather conditions during the rabi and summer seasons of 1967-68.

Looting of Grains in Shajapur (Madhya Pradesh)

5972. **Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether the grains of the Food Corporation of India were looted in the Shajapur District of Madhya Pradesh on the 1st July, 1967;